भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3712

जिसका उत्तर मंगलवार, 16 दिसम्बर, 2014 को दिया जाना है

मशीन-पुर्जा उद्योग

3712. श्री रामसिंह राठवा:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में मशीन-पुर्जा उद्योग की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान मशीन पुर्जा उद्योग के उत्पादन तथा आयात-निर्यात का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का देश में उक्त उद्योग के विकास की कोई योजना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री

(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)

(क): भारतीय मशीन पुर्जा उद्योग सामान्य प्रयोजनार्थ आवश्यक सभी प्रकार के मशीन पुर्जों का विनिर्माण करने में सक्षम है। तथापि, उन्नत सीएनसी मशीन पुर्जों, मल्टी-स्पिन्डल, मल्टी-एक्सिस (तीन एक्सिस से अधिक) तथा अन्य विशेष प्रकार के मशीन पुर्जों का स्वदेशी रूप से विनिर्माण नहीं किया जाता है।

मशीन पुर्जों के लगभग 450 विनिर्माता हैं जिनमें से लगभग 250 इकाइयां संपूर्ण मशीन पुर्जों का विनिर्माण करती हैं तथा 200 इकाइयां मशीन पुर्जों की सहायक सामग्री/ संघटकों का विनिर्माण करती हैं। मशीन पुर्जों के 250 विनिर्माताओं में से लगभग 25 इकाइयां मध्यम आकार की बड़ी इकाइयां हैं।

(ख):

(₹करोड़ में)

	2011-12	**2012-13**	**2013-14**
उत्पाद	4299	3885	3481
आयात	13167	14227	11315
निर्यात	1384	1597	1611

(उत्पादन आंकड़ा स्रोत : आईएमटीएमए, आयात निर्यात आंकड़ा स्रोत : डीजीसीआईएस)

(ग): "भारतीय केपिटल गुड्स सेक्टर में प्रतिस्पर्धात्मकता की वृद्धि" की योजना 05.11.2014 को राजपत्र में अधिसूचित कर दी गई है। मशीन पुर्जा उद्योग भारतीय केपिटल गुड्स उद्योग का एक महत्वपूर्ण उप-सेक्टर है जो इस योजना के अंतर्गत शामिल है।

(घ): इस योजना का उद्देश्य प्रौद्योगिकी विकास का सुदृढ़ीकरण करके, साझी विनिर्माण अवसंरचना उपलब्ध कराकर और प्रौद्योगिकी अधिग्रहण के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर भारतीय केपिटल गुड्स उद्योग को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बनाना है।

इस योजना में सरकार की ओर से ₹581.22 करोड़ की बजटीय सहायता की परिकल्पना की गई है।

दिशा-निर्देशों सहित योजना का विस्तृत ब्यौरा भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय की वेबसाइट http://dhi.nic.in पर उपलब्ध है।

******